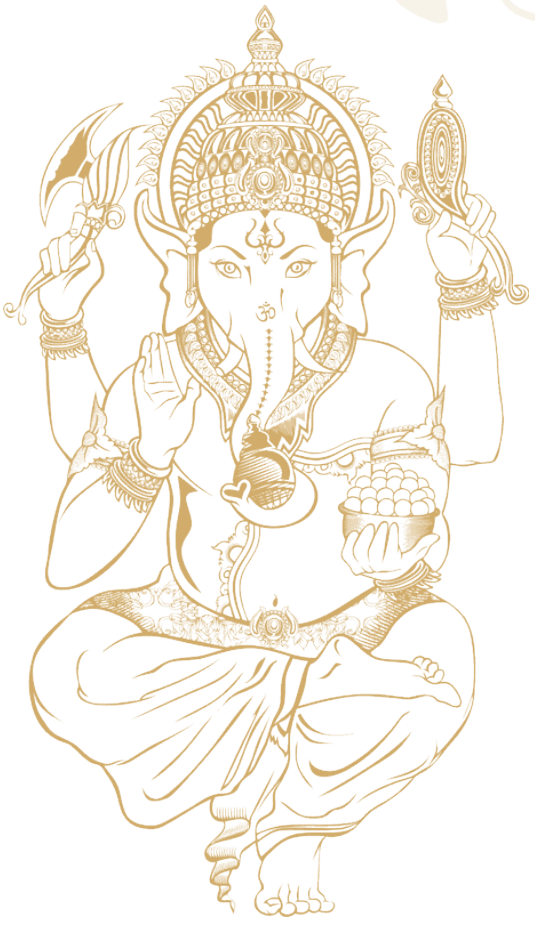

Mr.

22 Jul 1963

07:30 PM

Pali Marwar

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119046508

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
22/07/1963	जन्म तिथि	**22/07/2025**
सोमवार	दिन	मंगलवार
घंटे 19:30:00	जन्म समय	16:53:36 घंटे
घटी 33:51:51	जन्म समय(घटी)	27:19:38 घटी
India	देश	India
Pali Marwar	स्थान	Pali Marwar
उत्तर 25:46:00	अक्षांश	25:46:00 उत्तर
पूर्व 73:26:00	रेखांश	73:26:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:36:16	स्थानिक संस्कार	-00:36:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:57:15	सूर्योदय	05:57:44
19:27:43	सूर्यास्त	19:27:17
23:20:38	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:54

मकर	लग्न	वृश्चिक
शनि	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
कर्क	राशि	मिथुन
चन्द्र	राशि-स्वामी	बुध
आश्लेषा	नक्षत्र	मृगशिरा
बुध	नक्षत्र स्वामी	मंगल
4	चरण	4
सिद्धि	योग	व्याघात
कौलव	करण	गर
डो-डोभाल	जन्म नामाक्षर	की-कीर्ति
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
विप्र	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
मार्जार	योनि	सर्प
राक्षस	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
श्वान	वर्ग	मार्जार
62	गत/तत्कालिक वर्ष	63

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
उत्तराषाढ़ा	4	07:21:37	मक		
पुष्य	1	05:42:06	कर्क		
आश्लेषा	4	27:18:04	कर्क		
उ०फाल्गुनी	3	03:54:02	कन्या		
पुष्य	4	15:23:57	कर्क		अ
रेवती	3	25:36:35	मीन		
पुनर्वसु	2	25:09:23	मिथु		
धनिष्ठा	2	27:58:22	मक	व	
पुनर्वसु	3	27:05:13	मिथु	व	
उत्तराषाढ़ा	1	27:05:13	धनु	व	
मघा	4	10:02:19	सिंह		

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			वृश्चि	29:11:28	4	ज्येष्ठा
सूर्य			कर्क	05:42:06	1	पुष्य
चंद्र			मिथु	05:09:54	4	मृगशिरा
मंगल			सिंह	26:16:11	4	पू०फाल्गुनी
बुध	व	अ	कर्क	20:37:13	2	आश्लेषा
गुरु			मिथु	15:25:40	3	आर्द्रा
शुक्र			वृष	25:48:01	1	मृगशिरा
शनि	व		मीन	07:38:48	2	उ०भाद्रपद
राहु	व		कुंभ	25:16:27	2	पू०भाद्रपद
केतु	व		सिंह	25:16:27	4	पू०फाल्गुनी
मु			मीन	07:21:37	2	उ०भाद्रपद

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:54

लग्न-चलित

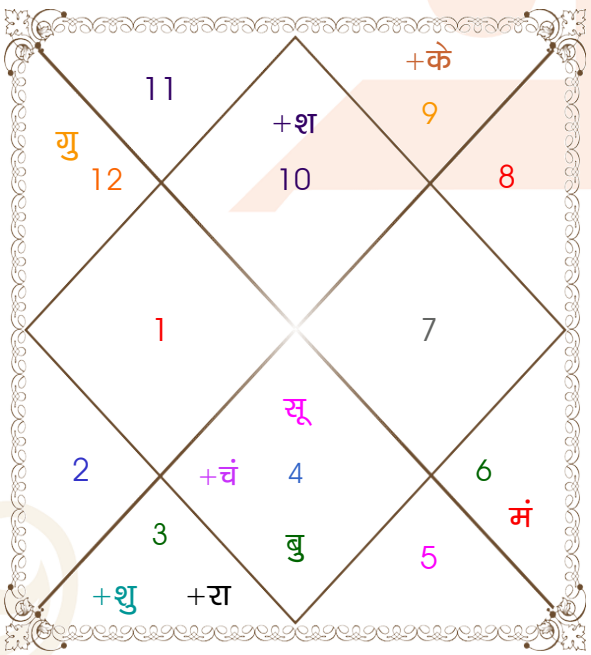

वर्ष लग्न कुंडली

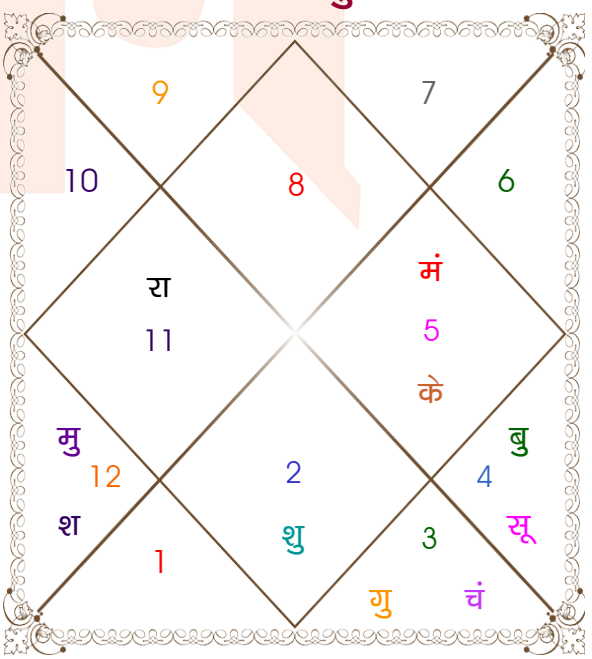

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - बुध - शुक्र		राहु - बुध - सूर्य		राहु - बुध - चंद्र		राहु - बुध - मंगल	
16/06/2025 04:11		18/11/2025 09:44		03/01/2026 23:24		22/03/2026 14:11	
18/11/2025 09:44		03/01/2026 23:24		22/03/2026 14:11		15/05/2026 22:07	
शुक्र	12/07/2025 01:07	सूर्य	20/11/2025 17:37	चंद्र	10/01/2026 10:38	मंगल	25/03/2026 18:14
सूर्य	19/07/2025 19:23	चंद्र	24/11/2025 14:45	मंगल	14/01/2026 23:18	राहु	02/04/2026 21:50
चंद्र	01/08/2025 17:51	मंगल	27/11/2025 07:57	राहु	26/01/2026 14:43	गुरु	10/04/2026 03:41
मंगल	10/08/2025 19:10	राहु	04/12/2025 07:36	गुरु	05/02/2026 23:05	शनि	18/04/2026 18:09
राहु	03/09/2025 02:00	गुरु	10/12/2025 12:38	शनि	18/02/2026 06:01	बुध	26/04/2026 10:52
गुरु	23/09/2025 18:45	शनि	17/12/2025 21:35	बुध	01/03/2026 05:55	केतु	29/04/2026 14:56
शनि	18/10/2025 08:38	बुध	24/12/2025 11:56	केतु	05/03/2026 18:34	शुक्र	08/05/2026 16:16
बुध	09/11/2025 08:25	केतु	27/12/2025 05:07	शुक्र	18/03/2026 17:02	सूर्य	11/05/2026 09:27
केतु	18/11/2025 09:44	शुक्र	03/01/2026 23:24	सूर्य	22/03/2026 14:11	चंद्र	15/05/2026 22:07

राहु - बुध - राहु		राहु - बुध - गुरु		राहु - बुध - शनि		राहु - केतु - केतु	
15/05/2026 22:07		02/10/2026 15:07		03/02/2027 19:33		01/07/2027 06:50	
02/10/2026 15:07		03/02/2027 19:33		01/07/2027 06:50		23/07/2027 15:45	
राहु	05/06/2026 21:04	गुरु	19/10/2026 04:30	शनि	27/02/2027 03:56	केतु	02/07/2027 14:09
गुरु	24/06/2026 12:08	शनि	07/11/2026 20:24	बुध	20/03/2027 01:20	शुक्र	06/07/2027 07:38
शनि	16/07/2026 15:01	बुध	25/11/2026 10:38	केतु	28/03/2027 15:48	सूर्य	07/07/2027 10:29
बुध	05/08/2026 10:02	केतु	02/12/2026 16:30	शुक्र	22/04/2027 05:40	चंद्र	09/07/2027 07:13
केतु	13/08/2026 13:37	शुक्र	23/12/2026 09:14	सूर्य	29/04/2027 14:38	मंगल	10/07/2027 14:32
शुक्र	05/09/2026 20:27	सूर्य	29/12/2026 14:15	चंद्र	11/05/2027 21:34	राहु	13/07/2027 23:05
सूर्य	12/09/2026 20:06	चंद्र	08/01/2027 22:38	मंगल	20/05/2027 12:02	गुरु	16/07/2027 22:40
चंद्र	24/09/2026 11:31	मंगल	16/01/2027 04:29	राहु	11/06/2027 14:55	शनि	20/07/2027 11:41
मंगल	02/10/2026 15:07	राहु	03/02/2027 19:33	गुरु	01/07/2027 06:50	बुध	23/07/2027 15:45

राहु - केतु - शुक्र		राहु - केतु - सूर्य		राहु - केतु - चंद्र		राहु - केतु - मंगल	
23/07/2027 15:45		25/09/2027 13:48		14/10/2027 18:00		15/11/2027 17:02	
25/09/2027 13:48		14/10/2027 18:00		15/11/2027 17:02		08/12/2027 01:57	
शुक्र	03/08/2027 07:25	सूर्य	26/09/2027 12:48	चंद्र	17/10/2027 09:56	मंगल	17/11/2027 00:21
सूर्य	06/08/2027 12:07	चंद्र	28/09/2027 03:09	मंगल	19/10/2027 06:40	राहु	20/11/2027 08:53
चंद्र	11/08/2027 19:57	मंगल	29/09/2027 06:00	राहु	24/10/2027 01:43	गुरु	23/11/2027 08:29
मंगल	15/08/2027 13:27	राहु	02/10/2027 03:02	गुरु	28/10/2027 08:00	शनि	26/11/2027 21:30
राहु	25/08/2027 03:33	गुरु	04/10/2027 16:24	शनि	02/11/2027 09:26	बुध	30/11/2027 01:33
गुरु	02/09/2027 16:06	शनि	07/10/2027 17:16	बुध	06/11/2027 22:06	केतु	01/12/2027 08:53
शनि	12/09/2027 18:59	बुध	10/10/2027 10:28	केतु	08/11/2027 18:51	शुक्र	05/12/2027 02:22
बुध	21/09/2027 20:18	केतु	11/10/2027 13:18	शुक्र	14/11/2027 02:41	सूर्य	06/12/2027 05:12
केतु	25/09/2027 13:48	शुक्र	14/10/2027 18:00	सूर्य	15/11/2027 17:02	चंद्र	08/12/2027 01:57

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे एवं शत्रु पक्ष को पराजित करने में समर्थ रहेंगे। अतः चुनाव, मुकद्दमे या प्रतियोगी परीक्षाओं में इस समय आपको विशिष्ट सफलता या विजय मिल सकती है। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी। फलतः दाम्पत्य जीवन में भी प्रसन्नता रहेगी । मित्रों एवं बन्धुवर्ग से इस समय आप वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगे तथा आप भी उनकी सहायता के लिए तत्पर रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा। साथ ही नवीन कार्य भी प्रारंभ हो सकता है एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी। सेना अथवा पुलिस विभाग में आपको उच्च पद प्राप्त हो सकता है। इसके साथ ही समाज में आपका मान सम्मान तथा यश व्याप्त रहेगा तथा सभी लोग आपके प्रभाव तथा पराक्रम को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी फलतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा सर्वत्र सफलता अर्जित करने में सफल रहेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे।साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी मिलती रहेंगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे तथा मन में स्फूर्ति का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि स्वच्छ एवं निर्मल रहेगी तथा आपकी बुद्धिमता से सभी लोग प्रभावित रहेंगे तथा आपको यथोचित मान सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। संतति प क्ष से इस समय आपको वांछित सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा अपने क्षेत्र में वे पूर्ण सफलताएं अर्जित करेंगे। साथ ही आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। इस समय कार्य क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी तथा प्रभाव में भी वृद्धि होगी। फलतः सामाजिक प्रतिष्ठा के साथ साथ यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा।

इस समय आप की प्रवृति धार्मिक रहेगी तथा धर्म संबधी कार्यो को करने के लिए तत्पर रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे।साथ ही किसी शुभ या पुण्य अथवा परोपकार संबधी कार्य भी आप इस वर्ष में सम्पन्न कर सकते हैं। नाना प्रकार के भौतिक सुख संसाधनों की भी इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग इस समय आपसे प्रसन्न रहेगा तथा इनसे आपको इच्छित सहयोग एवं लाभ प्राप्त होता रहेगा फलतः आप सुखपूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।